अध्याय 12

परिवहन

भारत में परिवहन क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। विशेषकर दिल्ली में इस क्षेत्र पर काफी दबाव है। इसलिए योजनाकारों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है कि एकीकृत और सतत शहरी परिवहन प्रणाली के लिए सभी समावेशी संकेतकों की समीक्षा की जाए। अनियोजित शहरीकरण और वाहनों की बढ़ती संख्या वाले दिल्ली जैसे किसी शहर में मेट्रो रेल और बस परिवहन जैसी व्यापक प्रणालियों के सतत उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। ऐसे में एकीकृत परिवहन रणनीति अत्यंत आवश्यक है, ताकि परिवहन के विभिन्न माध्यमों को कुशलता से एकीकृत किया जाए, जिससे सतत परिवहन सुविधाजनक हो सके। योजनाकारों का लक्ष्य शहरों में समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ, सुरक्षित, सुगम्य, तीव्र, आरामदायक, भरोसेमंद और सतत आवागमन सुविधा सुनिश्चित करना है। इसके यही समानरूप से महत्वपूर्ण है कि परिवहन की इन सभी उप प्रणालियों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय निरंतरता पर मनन किया जाए और समझा जाए।

1.2 दिल्ली की सामाजिक आर्थिक विविधता के कारण आबादी का बड़ा भाग अभी भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर रहा है। निजी कारों और दोपहिया वाहनों से बढ़ते उपयोग के कारण वायु गुणवत्ता में गिरावट और यातायात सुरक्षा के लिए भारी समस्या पैदा हो गई है। कई शहरी इलाकों में सड़क/गलियों में भीड़–भाड़ और यातायात जाम काफी बढ गया है और दिल्ली भारत में ग्रीनहाउस गैसों का सबसे बड़ा उत्पादक शहर बना हुआ है। इसलिए दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक कुशल और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

1.3 शहरों में सतत सुचारू सार्वजनिक परिवहन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित बातें महत्वपूर्ण हैं:

1. सार्वजनिक परिवहन माध्यमों को व्यापक प्राथमिकता देना।
2. पैदल आवागमन, साइकिल, बस, मेट्रो और रेल जैसे माध्यमों को शामिल कर एक बहु मॉडल और एकीकृत आवागमन प्रणाली विकसित करना।
3. शहर के सतत विकास पर निगरानी, एकीकृत परिवहन प्रणाली उपयोग का एक योजना तंत्र/प्राथमिकता आधार पर उपयोग।
4. वायु गुणवत्ता में गिरावट संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए अधिक सुलभ, सतत और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी/ईंधन (सीएनजी वाहन, हाइब्रिड, विद्युत वाहन इत्यादि) अपनाना।

2. परिवहन बुनियादी ढांचा

2.1 सड़क नेटवर्क

दिल्ली में सड़क नेटवर्क का विकास और रख–रखाव लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली छावनी बोर्ड (डीसीबी) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली में विभिन्न एजेंसियों के रख–रखाव के तहत आने वाले सड़क नेटवर्क की लंबाई विवरण 12.1 में दी गई है।

विवरण 12.1

दिल्ली में एजेंसीवार सड़क नेटवर्क की स्थिति

(31 मार्च, 2022 तक, लंबाई लेन कि.मी. में)

क्र सं	एजेंसी	सड़क लंबाई
1.	पूर्वी दिल्ली नगर निगम	512.47 लेन किमी
2.	दक्षिणी दिल्ली नगर निगम	7438.30 लेन किमी
3.	उत्तरी दिल्ली नगर निगम	4753.18 लेन किमी
4.	नई दिल्ली नगर पालिका परिषद	1298 लेन किमी
5.	लोक निर्माण विभाग (दिल्ली सरकार)	
	क. राष्ट्रीय राजमार्ग	37.49 लेन किमी
	ख. अन्य सड़कें	1402.97 लेन किमी
6.	डीएसआईआईडीसी	2285.44 लेन किमी
7.	आई एंड एफसी	297.52 लेन किमी
8	डीडीए	435 लेन किमी

स्रोत : दिल्ली हैंडबुक 2022

2.2 सड़क अवसंरचना

2.2.1 पैदल चलने वालों की सुविधाएं – फुटओवर ब्रिज (एफओबी)

दिल्ली में यातायात अधिनियम और सड़क निर्माण कार्य को बस यात्रियों सहित साइकिल चलाने वालों और पैदल चलने वालों का ध्यान रखना होगा। वित्त वर्ष 2021–22 के अंत तक दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर लगभग 113 फुटओवर ब्रिज बनाए गए हैं। वित्त वर्ष 2022–23 में दिसंबर महीने तक 4 एफओबी का निर्माण पूरा हो चुका है।

1) नांगलोई मेट्रो पिलर संख्या–364–365
2) मुल्तान नगर, मेट्रो पिलर 224 से 225 के नीचे
3) आश्रम पर फुटओवर ब्रिज
4) मेटकाफ हाउस पर फुटओवर ब्रिज

निम्नलिखित एफओबी निर्माणाधीन हैं और इनका कार्य 31 मार्च 2023 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

1. प्रेस इन्क्लेव रोड, सेलेक्ट सिटी मॉल के निकट
2. श्री अरविंदो मार्ग, अधचीनी गांव में
3. द्वारका रोड पर प्रह्लादपुर बस स्टॉप के सामने
4. हौजखास इन्क्लेव (पद्मिनी इन्क्लेव के निकट)
5. श्री अरविंदो मार्ग, पीटीएस बस स्टॉप पर
6. टी.बी. अस्पताल के निकट फुटओवर ब्रिज

फ्लाईओवर और ब्रिज/कॉरीडोर

दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रिंग रोड और आउटर रिंग रोड पर अनेक परिवहन अवसंरचना परियोजनाएं चलाई गईं।

- **सराय कालेखां से मयूर विहार तक बारापुला फेज–3 एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण** : सराय कालेखां से मयूर विहार फेस–1 तक के खंड को 1260.63 (निविदा लागत 964 करोड़ रुपये) करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई। जनवरी 2023 तक 862.01 करोड़ रुपये व्यय हो चुके हैं। कार्य प्रगति पर है और 8.5 एकड़ जमीन के अधिग्रहण का काम अंतिम चरण में है। मार्च 2022 तक 81.9 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। कार्य 31.08.2023 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **आईआईटी से एनएच–8 तक आउटर रिंग रोड के कॉरीडोर का विकास पार्ट–ए–आउटर रिंग रोड पर पूर्व में मौजूदा मुनीरका फ्लाईओवर से पश्चिम में आर्मी आरआर अस्पताल तक को जोड़ने वाले फ्लाईओवर का निर्माण, पार्ट बी–इनर रिंग रोड और बीजे मार्ग के मोड़ पर अंडर पास आईआईटी से एनएच–8 तक आउटर रिंग रोड के कॉरीडोर का विकास** : पार्ट–ए–आउटर रिंग रोड पर पूर्व में मौजूदा मुनीरका फ्लाईओवर से पश्चिम में आर्मी आरआर अस्पताल तक को जोड़ने वाले फ्लाईओवर का निर्माण, पार्ट बी– इनर रिंग रोड और बीजे मार्ग के मोड़ पर अंडर पास के निर्माण कार्य को 364.87 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी मिली है। जनवरी 2023 तक 339.24 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। परियोजना पूरी हो गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।

- **मथुरा रोड पर आश्रम चौक के निकट अंडरपास का निर्माण** : इस परियोजना की अनुमानित लागत, सेवाओं के स्थानांतरण सहित, 77.92 करोड़ रुपये है। जनवरी 2023 तक 74.86 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। परियोजना पूरी हो गई है और 24.4.2022 को यातायात के लिए खोल दी गई है।

- **(i) रामपुरा में एनएच–10 (ii) त्रिनगर/इंद्रलोक और (iii) कर्मपुरा दिल्ली में पुलों का निर्माण कार्य** : त्रिनगर/इंद्रलोक, कर्मपुरा और रामपुरा दिल्ली में नजफगढ़ नाले पर पुल निर्माण, पुल के दोनों ओर सड़क मरम्मत, जल निकासी योजना, फुटपाथ निर्माण प्रबंध के लिए 85.90 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से योजना को मंजूरी दी गई। जनवरी 2023 तक 69.44 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

- **आश्रम फ्लाईओर से डीएनडी फ्लाईओवर तक फ्लाईओवर विस्तार : एफओबी रैंप, फुटपाथ, सड़क कार्य सहित सड़क, संकेतक, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी और अन्य संबधित कार्य** : इस परियोजना की अनुमानित लागत 164.84 करोड़ रुपये है। जनवरी 2023 तक 151.91 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। कार्य 28 फरवरी 2023 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **पंजाबी बाग फ्लाईओवर और राजागार्डन फ्लाईओवर के बीच एकीकृत ट्रंजिक कॉरीडोर विकास और स्ट्रीट नेटवर्क** : इस परियोजना की अनुमानित लागत 352.32 करोड़ रुपए है। जनवरी 2023

तक 31.88 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। निर्माण कार्य 08.12.2023 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **आनंद विहार आरओबी से अप्सरा बॉर्डर आरओबी दिल्ली तक रोड नंबर 56, पर निर्माण के लिए ग्रेड सेपरेटर /फ्लाईओवर :** परियोजना की अनुमानित लागत 372.04 करोड़ रुपए है। जनवरी 2023 तक 31.49 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। निर्माण कार्य 08.12.2023 तक पूरा हो जाने की संभावना है।

- **ओआरआर न्यू मुबारक चौक पर जैक पुशिंग प्री–कास्ट आरसीसी बॉक्स द्वारा अंडर पास का निर्माण:** इस परियोजना की अनुमानित लागत 59.50 करोड़ रुपए है। जनवरी 2023 तक कोई व्यय नहीं हुआ है। अनुमान है कि निर्माण कार्य 13.10.2023 तक पूरा हो जएगा।

- **गोपालपुर रेडलाइट–जगतपुर ब्रिज पर आउटर रिंग रोड पर हाफ अंडर पास का निर्माण कार्य:** इस परियोजना पर अनुमानित लागत 38.17 करोड रुपये आंकी गई है। जनवरी 2023 तक 31.82 करोड़ रुपए का व्यय हो चुका है।

- **पूरे आरओडब्ल्यू को कवर करने के लिए बसाई दारापुर में नजफगढ़ नाले पर पुलों को चौड़ा करने का काम :** परियोजना की अनुमानित लागत 48.60 करोड़ रुपए है। जनवरी 2023 तक 46. 10 करोड़ रुपए का व्यय हो चुका है।

- **राष्ट्रीय राजमार्ग–10 पर नांगलोई के निकट नजफगढ़ नाले पर पुलों को चौड़ा करने के काम:** परियोजना की अनुमानित लागत 42.21 करोड़ रुपए है। जनवरी 2023 तक 37.82 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं।

2.3 बस टर्मिनल और डिपो

संबंधित परियोजना का उद्देश्य बस से यात्रा करने वालों के लिए बुनियादी ढांचा सुविधाओं को उपलब्ध करना है। दिसंबर 2022 तक 23 क्लस्टर बस डिपो और 40 डीटीसी बस डिपो हैं, जिनमें एक डीटीसी डिपो सावदा घेवड़ा में निर्माणाधीन है और एक डीटीसी डिपो सेंट्रल वर्कशॉप–2 ओखला का पुनरूद्धार/उन्नयन किया जा रहा है। इसके अलावा 17 बस टर्मिनल हैं जिनमें 16 टर्मिनल से परिचालन हो रहा है और एक टर्मिनल बिंदापुर परिचालन में नहीं है।

2.4 अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) :

दिल्ली में मौजूदा समय में तीन अंतराज्यीय बस टर्मिनल कार्यरत हैं – कश्मीरी गेट, सराय कालेखां और आनंद विहार। कश्मीरीगेट आईएसबीटी का नवीनीकरण किया गया है और इसे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। सराय काले खां और आनंद विहार आईएसबीटी की परियोजना, आरआरटीएस परियोजनाओं से एकीकरण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा पुनः विकसित की जाएगी।

2.5 रेल नेटवर्क

देश के रेल मानचित्र पर दिल्ली एक प्रमुख जंक्शन है और मुख्य महानगरों के साथ सीधे जुड़ा है। दिल्ली में पांच मुख्य रेलवे स्टेशन हैं : नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, सराय रोहिल्ला और आनंद विहार। इनके अलावा पटपड़गंज और तुगलकाबाद मे कंटेनर डिपो हैं।

2.6 मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) :

मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य सड़क परिवहन प्रणाली से समुचित रूप से जुड़ी प्रदूषण रहित और कुशल रेल आधारित परिवहन प्रणाली उपलब्ध कराना है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड का पंजीकरण तीन मई 1995 को कंपनी अधिनियम 1956 के तहत किया गया था। इसमें भारत सरकार और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की समान इक्विटी भागीदारी है। फेज–4 का निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप से हो रहा है। जबकि फेज–1 से फेज–3 तक का काम पूरा हो चुका है। मौजूदा समय में दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 348.121 किलोमीटर का है, जिसमें 58.5 किलोमीटर एनसीआर में है। विवरण इस प्रकार है।

डीएमआरसी–फेज 1

- डीएमआरसी के फेज–1 का काम वर्ष 2002 में शुरू हुआ था। परियोजना लागत 10,571 करोड़ रुपए थी जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 1,777 करोड़ रुपए डीएमआरसी को दिया जा चुका है।
- फेज–1 के तहत कुल लंबाई 64.751 किलोमीटर की है और इसमें 59 स्टेशन हैं।
- फेज–1 का निर्माण कार्य वर्ष 2006 में पूरा कर लिया गया।

विवरण 12.2

डीएमआरसी–फेज 1 का विवरण

क्र.सं	लाइन	कॉरिडोर का नाम	लंबाई (कि.मी)	स्टेशन की संख्या
1.	लाइन 1 (रेड)	शाहदरा–तीस हजारी	8.349	6
		तीस हजारी–इंद्रलोक	4.872	4
		इंद्रलोक–रिठाला	8.835	8
2.	लाइन 2 (येलो)	विश्वविद्यालय–कश्मीरी गेट	4.06	4
		कश्मीरी गेट–केंद्रीय सचिवालय	6.621	6
3.	लाइन 3 (ब्ल्यू)	बाराखंबा– द्वारका	22.736	22
		बाराखंबा–इन्द्रप्रश्थ	2.804	3
		द्वारका–उपनगर	6.474	6
		कुल	**64.751**	**59**

डीएमआरसी–फेज 2

- डीएमआरसी के फेज 2 का निर्माण कार्य वर्ष 2005 में 19,231 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 4,691 करोड़ रुपए डीएमआरसी को दे दिए गए।
- फेस–2 की कुल लंबाई 123.3 किलोमीटर है जिसमें 22.91 किलोमीटर हाईस्पीड एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन और 16.315 किलोमीटर एनसीआर लाइन है। इनमें 86 स्टेशन (13 स्टेशन एनसीआर लाइन पर) हैं।
- फेस–2 का निर्माण कार्य वर्ष 2012 में पूरा हो गया था।

विवरण 12.3
डीएमआरसी–फेज 2 का विवरण

क्र.सं	लाइन	कॉरिडोर का नाम	लंबाई (कि.मी.)	स्टेशन संख्या
1.	लाइन 1 एक्स्टें. (रेड)	शाहदरा–दिलशाद गार्डन	2.858	3
2.	लाइन 2 एक्स्टें. (येलो)	विश्वविद्यालय–जहांगीर पुरी	6.38	5
		केंद्रीय सचिवालय– कुतुब मिनार	11.764	10
		कुतुब मिनार– हरियाणा बॉर्डर	8.771	4
3.	लाइन 3 एक्स्टें. (ब्ल्यू)	इन्द्रप्रस्थ –यमुना बैंक	2.173	1
		यमुना बैंक–न्यू अशोक नगर	5.849	4
		द्वारका सेक्टर–9 – द्वारका सेक्टर 21	2.279	2
4.	लाइन 4	यमुना बैंक–आनंद विहार	6.246	6
5.	लाइन 5 (ग्रीन)	इंद्रलोक–मुंडका	14.192	14
		कीर्तिनगर– अशोक पार्क	3.406	2
6.	लाइन 6 (वॉयलेट)	केंद्रीय सचिवालय– सरिता विहार	15.336	13
		सरिता विहार–बदरपुर	4.822	3
7.	एयरपोर्ट एक्सप्रेस	हाईस्पीड एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन–नई	22.909	6
		सब टोटल (दिल्ली)	**106.985**	**73**
		एनसीआर में		
1.	लाइन–2	हरियाणा बॉर्डर–हुडा सिटी सेंटर गुरूग्राम	7.05	5
2.	लाइन–3	न्यू अशोकनगर–नोएडा सिटी सेंटर	7	6
3.	लाइन–4	आनंद विहार–वैशाली	2.265	2
		सब टोटल (एनसीआर)	**16.315**	**13**
		कुल	**123.3**	**86**

डीएमआरसी–फेज 3

- डीएमआरसी के फेज 3 का निर्माण कार्य वर्ष 2012 में 39,785 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 8,407 करोड़ रुपए डीएमआरसी को दे दिए गए।

- फेज–3 की कुल लंबाई 160.07 किलोमीटर है (एनसीआर में 42.18 किलोमीटर सहित)। इसमें 109 स्टेशन (30 स्टेशन एनसीआर में) हैं।
- फेज–3 का निर्माण कार्य वर्ष 2021 में पूरा हो गया था।
- फेज–1 से फेज–3 तक के मेट्रो लाइन की कुल लंबाई 348.121 किलोमीटर है जिसमें 58.497 किलोमीटर एनसीआर में और 22.91 किलोमीटर एयरपोर्ट लाइन की है।

विवरण 12.4
डीएमआरसी–फेज 3 का विवरण

क्र.सं	लाइन	कॉरिडोर का नाम	लंबाई (कि.मी)	स्टेशन संख्या
1.	लाइन 2	एक्सटेंशन.: जहांगीरपुरी–बादली	4.373	3
2.	लाइन 5	एक्सटेंशनः मुंडका–टिकरी बॉर्डर	6.308	4
3.	लाइन 6	एक्सटेंशनः केंद्रीय सचिवालय–कश्मीरी गेट	9.272	7
4.	लाइन 7	मजलिस पार्क– शिव विहार	59.242	38
5.	लाइन 8	जनकपुरी वेस्ट–कालिंदीकुंज	33.499	23
6.	लाइन 9	द्वारका–नजफगढ़	4.303	3
7.	लाइन 9	ढांसा बस स्टेंड तक विस्तार	0.891	1
		उप–जोड़ (दिल्ली)	**117.89**	**79**
		एनसीआर में		
1.	लाइन 6	एक्सटेंशनः बदरपुर–फरीदाबाद	13.561	9
2.	लाइन 5	एक्सटेंशनः टिकरी बॉर्डर– बहादुरगढ़	4.875	3
3.	लाइन 6	स्कॉर्ट्स मुजेसर–बल्लभगढ़	3.35	2
4.	लाइन 8	कालिंदीगुंज–बोटेनिकल गार्डन	3.962	2
5.	लाइन 1	दिलशाद गार्डन से नया बस अड्डा गाजियाबाद	9.635	8
6.	लाइन 3	नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रोनिक सिटी	6.799	6
		सब टोटल (एनसीआर)	**42.18**	**30**
		कुल	**160.07**	**109**

डीएमआरसी–फेज 4

- डीएमआरसी के फेज 4 में तीन–तीन कॉरिडोर के दो हिस्से हैं। पहले भाग में तीन प्राथमिकता कॉरिडोर का निर्माण कार्य वर्ष 2020–21 में, 24,949 करोड़ रुपए की परियोजना लागत से शुरू हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का हिस्सा 5,887 करोड़ रुपए था, जिसमें अतिरिक्त 244 कोच शामिल हैं। इसमें से दिसंबर 2022 तक 3921.11 करोड़ रुपए डीएमआरसी को दे दिए गए। हालांकि डीएमआरसी ने वित्तीय वर्ष 2022–23 में 1,167.64 करोड़ रुपए की परियोजना निधि का अप्रयुक्त हिस्सा वापस लौटा दिया।
- फेज–4 के पूरा हो जाने के बाद मेट्रो लाइन की कुल लंबाई, एनसीआर सहित, लगभग 457 किलोमीटर हो जाएगी।
- डीएमआरसी ने दिल्ली मेट्रो फेज–4 के शेष तीन कॉरिडोर के लिए डीपीआर सौंप दिया है। यह कॉरिडोर रिठाला से नरेला और लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक और इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक हैं।

- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के साथ हुई बैठक में रिठाला–नरेला कॉरिडोर पर पारंपरिक मेट्रो प्रणाली पर विचार करने का निर्णय लिया गया।

विवरण 12.5

डीएमआरसी–फेज 4 का विवरण

क्र.सं.	कॉरिडोर का नाम	लंबाई(कि.मी)	स्टेशनों की संख्या
फेज–4 (पहले तीन प्राथमिकता कॉरिडोर)			
1.	मजलिस पार्क–बुरारी– मौजपुर	12.318	8
2.	आर.के.आश्रम – जनकपुरी (दक्षिण)	29.262	22
3.	एयरोसिटी – साकेत– तुगलकाबाद	23.622	15
	सब टोटल	65.202	45
फोज– 4 (अन्य 3 कॉरिडोर)			
1.	लाजपत नगर–साकेत जी ब्लॉक	12.377	10
2.	इंद्रलोक – इंद्रप्रस्थ	8.385	8
3.	रिठाला – बवाना–नरेला (मेट्रो लाइट	22.915	19
	सब टोटल	43.677	37
	कुल	**108.879**	**82**

2.7 दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

वर्ष 2021–22 में दैनिक यात्रियों की औसत संख्या 25.16 लाख थी। दिल्ली में मेट्रो रेलगाड़िया सुबह 6 बजे से शुरू हो जाती हैं और रात 11 बजे तक चलती हैं। एक के बाद दूसरे मेट्रो आने का अंतराल पीक समय में दो मिनट 44 सैकेंड तक और नॉन पीक समय में दस मिनट तक का है। वर्षवार दैनिक मेट्रो यात्रियों की औसत संख्या विवरण 12.5 में दर्शायी गई है।

विवरण 12.6

औसत दैनिक यात्री संख्या और कोचों की संख्या (एयरपोर्ट लाइन और रैपिड मेट्रो सहित)

वर्ष	दैनिक यात्री	परिचालित रूट (किमी)	रोलिंग स्टॉक (कोचों की संख्या)
2013-14*	22,04,908	188.050	1,282
2014-15*	24,02,850	191.120	1,306
2015-16*	26,15,050	209.970	1,392
2016-17*	28,00,792	209.970	1,468
2017-18*	25,87,271	249.460	1,888
2018-19*	25,93,090	342.070	2188
2019-20**	27,80,000***	359.230	2,242
2020-21** (07.09.20-31.03.21)	8,78,000***	359.230	2,280
2021-22	25,16,068***	360.975	2282

** एयरपोर्ट लाइन सहित। डीएमआरसी ने 30.06.2013.के बाद से परिचालन संभाला।*

***रेपिड मेट्रो सहित। डीएमआरसी ने 22.10.2019 के बाद से परिचालन हाथ में लिया।*

****पैसेंजर संख्या (पैसेंजर संख्या का अर्थ एक यात्री द्वारा प्रयुक्त कॉरिडोर के संदर्भ में मेट्रो यात्रा से है)।*

2.8 डीएमआरसी फीडर बस सेवा

डीएमआरसी, एफएएमई–2 योजना के तहत 10 नए रूट पर चलाने के लिए 100 एसी फीडर ई–बसें खरीद की प्रक्रिया में हैं। इनमें से 62 बसें डीएमआरसी द्वारा परिचालित की जा रही हैं।

2.9 रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस)

एनसीआर में प्रदूषण और भीड़भाड़ की समस्या से निपटने के लिए रा.रा.क्षे. योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) ने आठ रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरीडोर की सिफारिश की है, ताकि एनसीआर के विभिन्न प्रमुख नगरों को राष्ट्रीय प्रमुख क्षेत्र परिवहन–2032 की कार्यात्मक योजना के तहत तीव्र गति की रेल आधारित हाइ स्पीड, हाइ फ्रिक्वेंसी रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) से जोड़ा जा सके।

क्षेत्रीय रेलगाड़ियों के, यूरोपीय ट्रेनों की तर्ज पर 180 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से परिचालित करने की योजना है, ताकि बड़े पैमाने पर शहरी आबादी को परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके और बाहरी क्षेत्रों को मुख्य शहर से जोड़ा जा सके। इन सेवाओं के तहत, 300 किलोमीटर प्रतिघंटे से अधिक की रफ्तार वाले हाइस्पीड रेलवे नेटवर्क पर लंबी दूरी पर पड़ावों की तुलना में अपेक्षाकृत कम दूरी पर अधिक स्टेशन होंगे।

क्षेत्रीय यानि रीजनल रेलगाड़ी भारत के लिए एक नई आवधारणा है लेकिन बड़े मेट्रो शहरों में यह सामान्य है और शहर की भीड़–भाड़ कम करने, सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने और उपनगरीय इलाकों में रहने वालों को मुख्य शहर से जोड़ने में मदद करती है।

योजना आयोग द्वारा गठित कार्यबल ने एनसीआर में 8 आरआरटीएस की पहचान की है जिनमें पहले चरण के लिए तीन कॉरीडोर को प्राथमिकता दी गई है– दिल्ली–मेरठ, दिल्ली–अलवर और दिल्ली–पानीपत। प्राथमिकता आधार पर चयनित तीन आरआरटीएस कॉरीडोर, दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए व्यापक कार्ययोजना और दिल्ली में यातायात की भीड़–भाड़ कम करने के उद्देश्य से उच्च अधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों के तहत हैं। इसके अलावा ये तीनों प्राथमिकता वाले आरआरटीएस, नेशनल इंफ्रास्टक्चर पाइप लाइन (एनआईपी) में शामिल किए गए हैं।

आरआरटीएस से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए यातायात समस्या का एकीकृत समाधान उपलब्ध होगा। इससे महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ भी होगा, जैसे प्रदूषण में कमी, यात्रा समय में बचत, वाहन परिचालन लागत में कमी, सड़कों पर होने वाले तनाव और साथ ही दुर्घटनाओं की संख्या भी कम होगी। इनके अप्रत्यक्ष लाभों में श्रम और उद्योगों की उत्पादकता में सुधार, अप्रत्यक्ष रोजगार में बढोतरी और समग्र एनसीआर के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि संभावित होगा।

आरआरटीएस स्टेशन, जहां संभव होगा परिवहन के अन्य मौजूदा माध्यमों से भी जुड़े होंगे। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा ताकि आरआरटीएस का सर्वाधिक ऊर्जा सक्षम सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनना सुनिश्चित किया जा सके। स्टेशनों, डिपो और अन्य सहायक भवनों में सौर

पैनल भी लगाए जाएंगे। इन रेल गाड़ियों में अत्याधुनिक रि–जेनरेटिव प्रणाली का उपयोग किया जाएगा जिससे कुल विद्युत ऊर्जा के लगभग 30 प्रतिशत की बचत हो सकेगी।

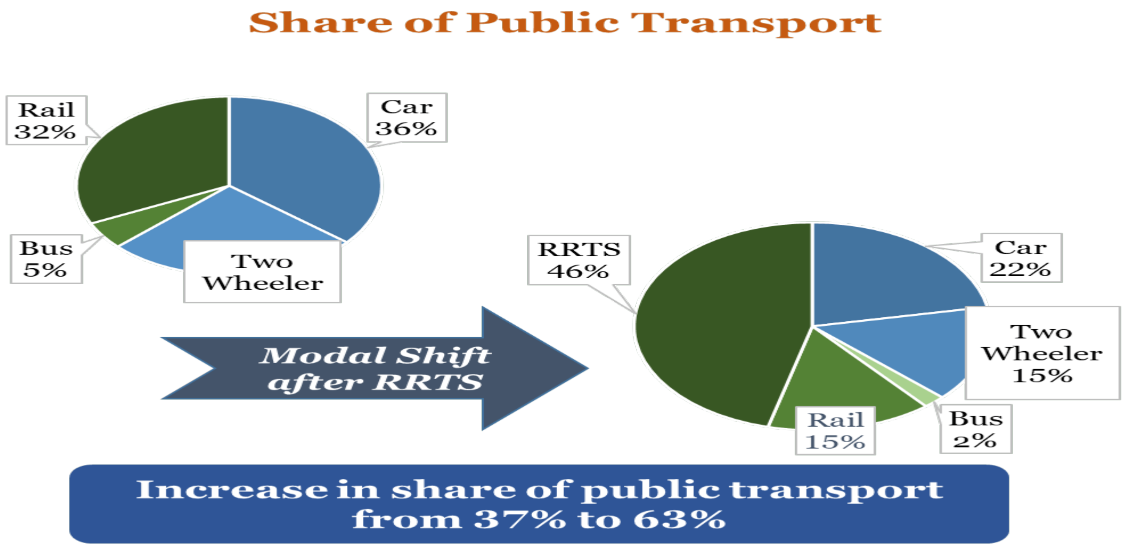

परियोजना पूरी हो जाने के बाद डीएमआरसी और आरआरटीएस नेटवर्क फेज–1 सहित दिल्ली व्यापक पारगमन प्रणाली की लंबाई 748 किलोमीटर हो जाएगी जो लंदन कॉस रेल, हांगकांग एमटीआर और पेरिस आरईआर की लंबाई से कहीं अधिक है।

प्राथमिकता वाले तीन आरआरटीएस कॉरिडोर को दिल्ली में एक साझा एलिवेटेड टर्मिनस स्टेशन सराय काले खां से शुरू करने की योजना है। इस प्रकार के साझा टर्मिनस से इन तीनों कॉरीडोर के बीच अंतर–सम्पर्क और अंतर–संचालन सुविधा होगी।

- **दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरीडोर** 82.15 किलोमीटर लंबा है जिसमें 15 आरआरटीएस स्टेशन है। परियोजना के पूरा होने की लागत 30,274 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें रा.रा.क्षेत्र दिल्ली सरकार का योगदान 1,180 करोड़ रुपये है। भारत सरकार ने मार्च 2019 में इस योजना को मंजूरी दी थी। पहले कॉरिडोर में 25 स्टेशन हैं और इनमें से अधिकांश सराय काले खां, न्यू अशोक नगर, जंगपुरा और आनंद विहार, से फुट ओवर ब्रिज, अंडरपास, लिफ्ट. एस्कलेटर और अन्य संभव माध्यमों से परिवहन के अन्य साधनों से जुड़े होंगे। पूरे कॉरिडोर पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है। उत्तर प्रदेश में साहिबाबाद से दुहाई तक का आरआरटीएस प्राथमिकता खंड जून 2023 से चालू हो जाएगा। दिल्ली–मेरठ कॉरिडोर का वाणिज्यिक परिचालन जून 2025 तक शुरू होगा। आरआरटीएस की मदद से लोग दिल्ली के सराय काले खां से यूपी के मोदीपुरम तक केवल 55 मिनट में पहुंच सकेंगे। दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के कार्यान्वयन से लगभग 63 प्रतिशत लोग सार्वजनिक परिवहन माध्यम का उपयोग करने लगेंगे जो अभी केवल 37 प्रतिशत है। इससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

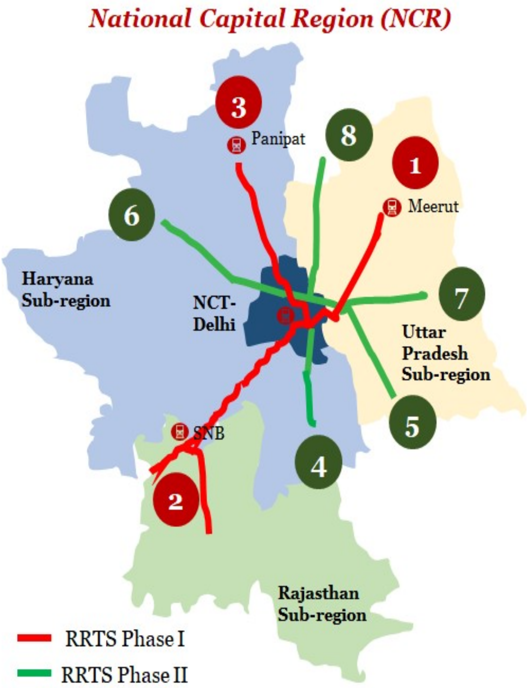

- **दिल्ली–गुरुग्राम–रिवाड़ी–अलवर कॉरीडोरः** तीन चरणों में इसका निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा : चरण–1 दिल्ली–गुरुग्राम–एसएनबी (शाहजहांपुर–नीमराना–बहरोड़) शहरी परिसर। चरण 2 :एसएनबी शहरी परिसर – सोतानाला आरआईआईसीओ औद्योगिक क्षेत्र और चरण–3, सएनबी शहरी परिसर – अलवर। दिल्ली–गुरुग्राम एसएनबी कॉरिडोर, दिल्ली–अलवर कॉरिडोर चरण–1 में कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कॉरीडोर की कुल लंबाई 106 किलोमीटर होगी और इसमें 16 आरआरटीएस स्टेशन होंगे। इस कॉरिडोर का दिल्ली भाग 21.67 किलोमीटर है, जिसमें 4 स्टेशन हैं। यह दिल्ली में सराय काले खां से शुरू होकर राजस्थान में एसएनबी में समाप्त होगा (यह आईएनए, एयरो सिटी, गुरुग्राम, मानेसर, धरूहेड़ा से गुजरेगा)। परियोजना पूरी किए जाने की लागत 37,987 करोड़ रुपए अनुमानित है, जिसमें रा.रा.क्षेत्र दिल्ली सरकार का योगदान 3,261 करोड़ रुपये है। यह परियोजना भारत सरकार की मंजूरी के लिए विचाराधीन है। निर्माण पूर्व गतिविधियां शुरु हो चुकी हैं तथा भारत सरकार द्वारा मंजूरी मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरु हो जाएगा। एसएनबी– सोतानाला (चरण–2) की डीपीआर को एनसीआरटीसी बोर्ड की मंजूरी मिल चुकी है और इसे राजस्थान सरकार की स्वीकृति के लिए भेजा गया है।

- **दिल्ली–पानीपत आरआरटीएस कॉरीडोरः** यह कॉरीडोर 103.02 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 17 स्टेशन है यह दिल्ली में सराये काले खां से शुरू होकर पानीपत में समाप्त होता है। यह आरआरटीएस कॉरीडोर, दिल्ली में सराये काले खां से शुरू होकर पानीपत में समाप्त होता है। दिल्ली में 6 प्रस्तावित स्टेशन हैं – सराय काले खां, इन्द्रप्रस्थ, कश्मीरीगेट, बुराडी क्रासिंग, मुकरबा चौक और अलीपुर। प्रस्तावित कॉरिडोर खंड दिल्ली, गन्नौर, समलखा और पानीपत की घनी आबादी वाले क्षेत्रों से गुजरता है।

3 सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में शामिल संस्थान और निकाय

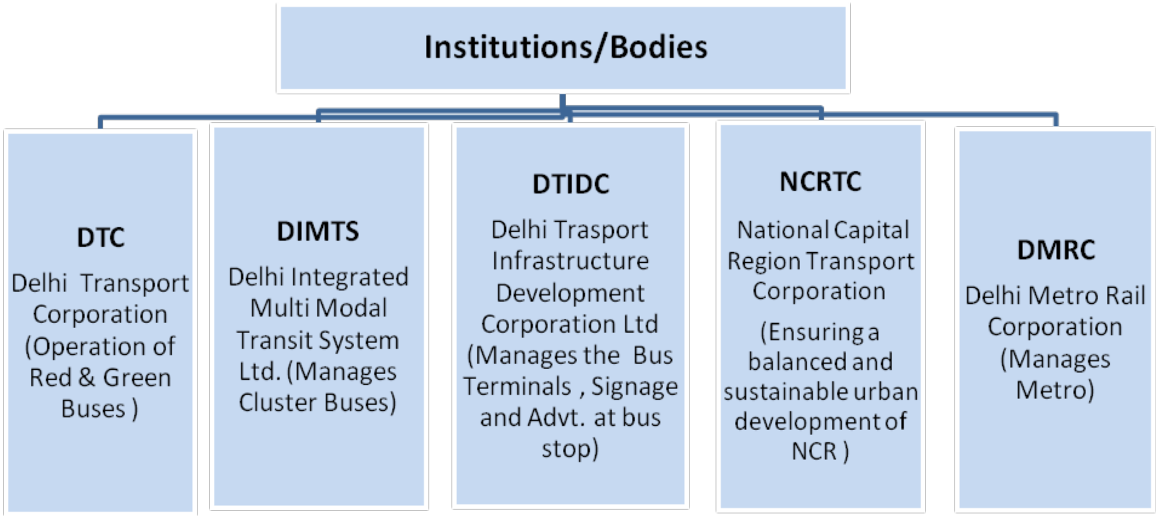

3.1 दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) :

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार डीटीसी के लिए बसों की खरीद और बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए इक्विटी पूंजी जारी करती है। दिसंबर 2022 तक डीटीसी के पास 40 डिपो का बुनियादी ढांचा है। 31.12.2022 को डीटीसी के बेड़े में 4,010 बसें हैं जिनमें 1256 एसी लो फ्लोर बसें और 2504 नॉन–एसी लो–फ्लोर बसें हैं तथा 250 एसी लो फ्लोर बिजली चालित बसें थीं। डीटीसी एनसीआर में सबसे बड़ी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था है। 2021– 2022 में इसके माध्यम से लगभग 15.62 लाख यात्री प्रतिदिन सफर कर रहे थे और यह 6.45 लाख किलोमीटर की दूरी प्रतिदिन तय करती है। डीटीसी प्रतिदिन 461 रूटों पर और एनसीआर के 7 रूटों पर 31,834 (औसतन) फेरे लगाती है।

3.2 दिल्ली एकीकृत बहु–मॉडल ट्रांजिट प्रणाली लिमिटेड (डीआईएमटीएस) :

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के तहत ब्लूलाइन प्राइवेट स्टेट कैरिएज सिस्टम के प्रतिस्थापन के लिए प्राइवेट स्टेज कैरिएज सर्विस के निगमीकरण की योजना शुरू की। क्लस्टर योजना सकल लागत मॉडल (ओपेक्स मॉडल) पर आधारित है, जिसमें बेड़े के मालिकों को प्राप्त किराए के स्थान पर संचालनगत मानदंडों पर पारिश्रमिक प्रदान किया जाता है। 31.12.2022 को रा.रा.क्षेत्र दिल्ली में 16 क्लस्टरों के तहत 3,319 क्लस्टर बसें संचालन में थीं।

3.3 दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीटीआईडीसी)

दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (डीटीआईडीसी) की स्थापना शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास, कार्यान्वयन, संचालन और रख–रखाव के उद्देश्य से की गई है। मौजूदा समय में तीन आईएसबीटी –कश्मीरीगेट, आनंद विहार और सराय काले खां–संचालन में हैं और ये डीटीआईडीसी के नियंत्रण में हैं।

3.4 **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) :**

एनसीआर आरआरटीएस के कार्यान्वयन के लिए 2011 में भारत सरकार तथा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। इसका संचालन राज्य सरकारों की भागीदारी से किया जाता है, जबकि मेट्रो रेल परियोजनाएं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा आगे बढाई जाती है। एनसीआरटीएस का दायित्व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना लागू करना, बेहतर संपर्क और पहुंच बना कर संतुलित और सतत शहरी विकास सुनिश्चित करना है।

4. प्रमुख संकेतकों की उपलब्धि/प्रगति

4.1 मोटर वाहन

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वर्ष 2022 में मोटर वाहनों की कुल संख्या 79.18 लाख थी। इसमें पहले की तुलना में 35.38 प्रतिशत की कमी आई है, क्योंकि दिल्ली सरकार ने दस वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस वजह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने वर्ष 2021–22 तक 48,77,646 वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया। दिल्ली में मोटर वाहनों की संख्या में श्रेणीवार वृद्धि विवरण 12.6 में दर्शाया गया है।

विवरण 12.6

वाहनों की संख्या में श्रेणीवार वृद्धि

क्र सं	विवरण	वाहनों की संख्या						
		2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
1.	कार और जीप	29,86,579	31,52,710	32,46,637	32,49,670	33,11,579	33,84,736	20,76,113
2.	मोटर साइकिल और स्कूटर/दुपहिया	61,04,070	66,07,879	70,78,428	75,56,002	79,59,753	82,39,550	52,68,685
3.	एम्बुलेंस	2,990	3,059	3,220	2,358	2,287	2,289	1,145
4.	ऑटो रिक्शा (सवारी)	1,98,137	1,05,399	1,13,074	1,13,240	1,14,891	1,14,869	93,578
5.	टैक्सी	91,073	1,18,308	1,18,060	1,09,780	1,22,476	1,12,401	85,033
6.	बसें	34,365	35,206	35,285	32,218	33,302	33,294	17,522
7.	अन्य सवारी वाहन	6,368	59,759	76,231	81,422	85,477	91,887	1,14,504
8.	सामान ढुलाई वाहन (सभी प्रकार के) और अन्य	2,81,159	3,00,437	3,15,080	2,46,861	2,63,112	2,74,324	2,61,318
	कुल	97,04,741	1,03,82,757	1,09,86,015	1,13,91,551	1,18,92,877	1,22,53,350*	79,17,898**

*** दिल्ली सरकार ने 10 वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इसलिए 2021–22 तक 48,77,646 वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है।*

** पंजीकृत वाहनों की संख्या, एनओसी, आरसी रद्द किए जाने, सरेंडर किए, पंजीकरण रद्द वाहन और हटा दिए गए वाहनों के अलावा हैं (वाहन 4.0 डेटाबेस में रिकार्ड उपलब्ध है)।*

चार्ट 12.1

दिल्ली में वाहनों की संख्या में वृद्धि

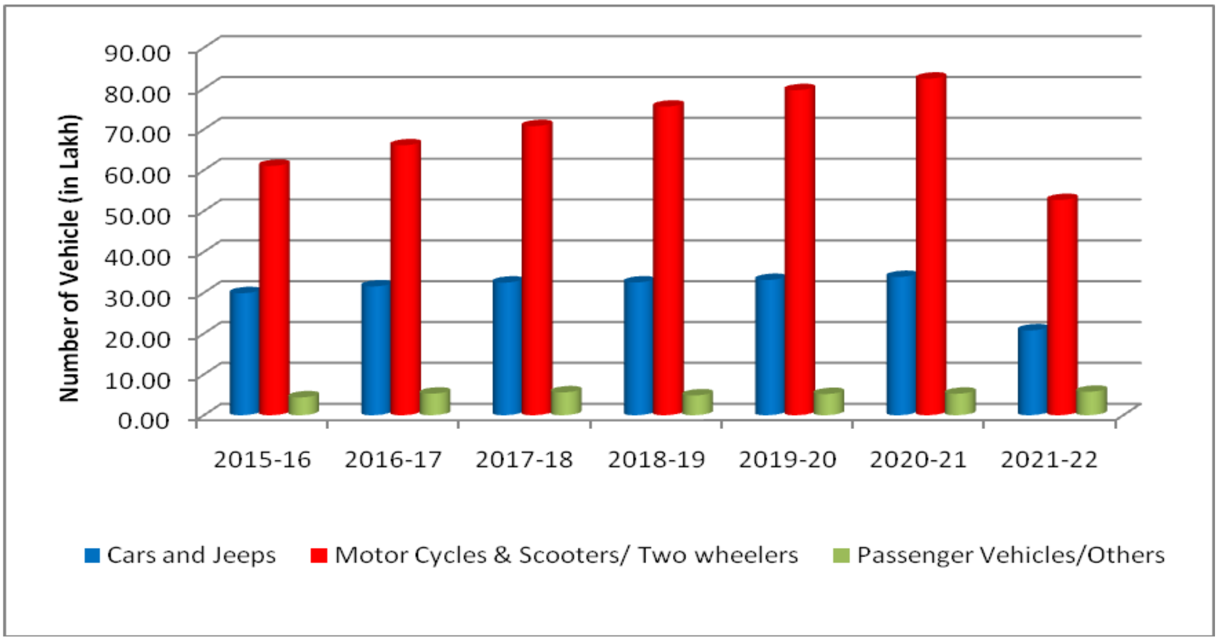

- पुराने डीजल और पेट्रोल वाहन हटाए जाने की नीति के कारण वर्ष 2021–22 के दौरान प्रति 1000 की आबादी पर वाहनों की संख्या 472 रही जबकि 2020–21 में यह 655 थी। वार्षिक वृद्धि दर से संबंधित चार्ट विवरण 12.2 में दिया गया है।

चार्ट 12.2

परिवहन प्रचलन

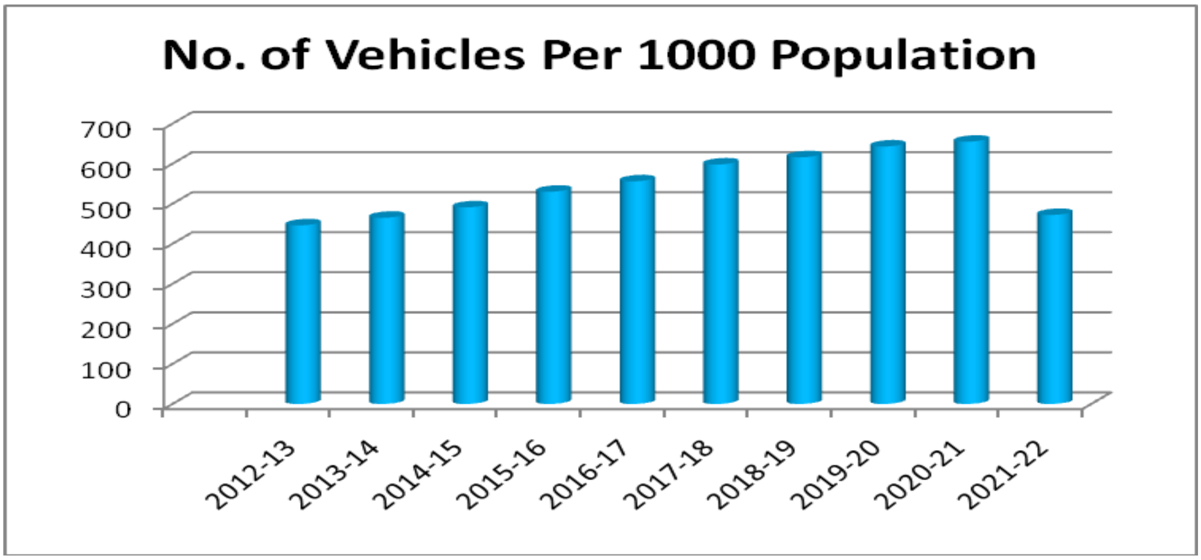

- दिल्ली भारत में निजी मोटरवाहनों का केंद्र है। दिल्ली में कुल मोटरचालित वाहनों की संख्या 79.18 लाख है। कुल पंजीकृत मोटरवाहनों में 26 प्रतिशत से अधिक संख्या कारों और जीपों की है, जबकि कुल पंजीकृत वाहनों में करीब 66.50 प्रतिशत दुपहिया वाहन हैं। दिल्ली में 2021–22 के दौरान मोटर वाहनों का प्रतिशत चार्ट 12.3 में दर्शाया गया है।

चार्ट 12.3

वाहनों की संख्या (2021–22) का प्रतिशत

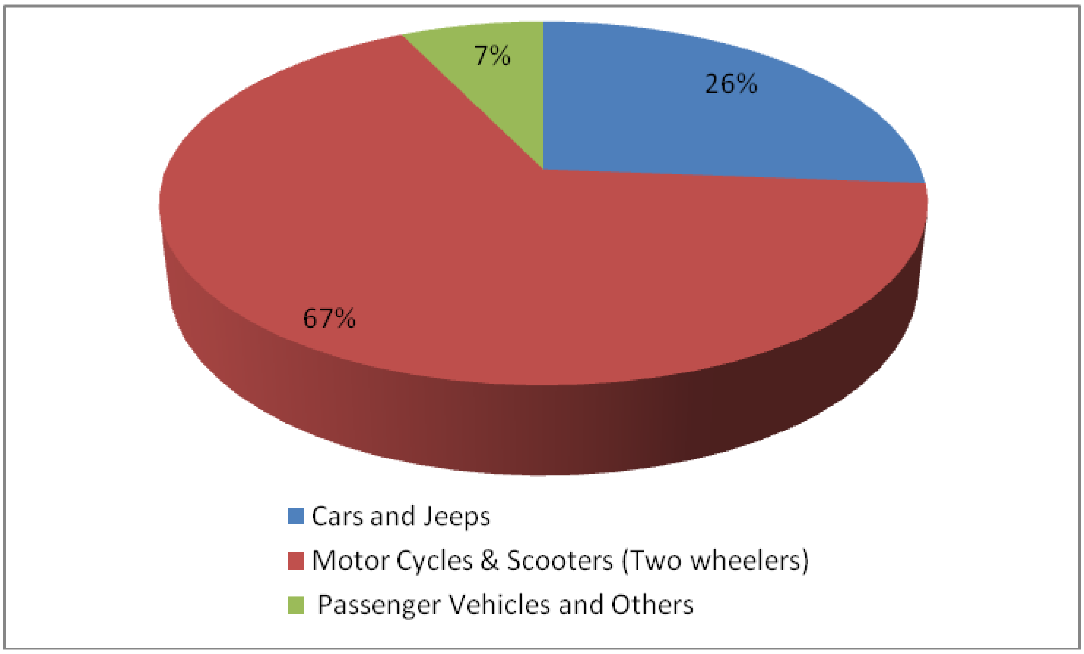

- दिल्ली की सड़कों पर चलने वाले वाहनों की वास्तविक संख्या को लेकर कई विरोधाभास हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाहनों में से बड़ी संख्या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चल रही हैं। इसी प्रकार एनसीआर में पंजीकृत वाहन दिल्ली में चल रहे हैं।

- परिवहन विभाग दिल्ली में वाहनों की वास्तविक संख्या का पता लगाने के प्रयास कर रहा है। इसके लिए ऐसे वाहनों को भी हिसाब में लिया जा रहा है जो किसी वजह से चलने योग्य नहीं है और अन्य राज्यों से दिल्ली में आये हैं या दिल्ली से अन्य राज्यों में चले गये हैं।

4.2 दिल्ली परिवहन निगम –डीटीसी बसों का कार्य निष्पादन

दिल्ली परिवहन निगम एनसीआर में सार्वजनिक परिवहन की सबसे बड़ी व्यवस्था है। डीटीसी 461 रूटों और एनसीआर के 7 रूट पर 4010 बसों का परिचालन करती है। डीटीसी दिल्ली से काठमांडू के लिए अंतर्राष्ट्रीय बस सेवा का भी परिचालन कर रही है। डीटीसी की बसों में 2021–22 में प्रतिदिन यात्रा करने वालों की औसत संख्या लगभग 15.62 लाख थी। डीटीसी का कार्य निष्पादन विवरणी 12.7 में और गतिविधिवार डीटीसी की स्थिति विवरण 12.8 में दर्शायी गई है।

विवरण 12.7

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) का कार्य निष्पादन

क्र सं	वर्ष	बेड़ों की संख्या	बेड़ा इस्तेमाल (प्रतिशत में)	वाहन इस्तेमाल (किमी/बस/प्रतिदिन)	लोड फैक्टर (प्रतिशत में)	प्रति बस यात्रियों की दैनिक संख्या	प्रतिदिन औसत यात्री (लाख में)
1.	2017-18	3,951	85.69	191	83.83	878	29.86
2.	2018-19	3,849	84.62	195	81.34	915	30.15
3.	2019-20	3,762	85.04	193	86.17	1,033	33.31
4.	2020-21	3,760	76.95	180	22.97	423	12.24
5.	2021-22	3,762	85.27	201	22.30	487	15.62

स्रोत : डीटीसी की संचालनगत सांख्यिकी

विवरण 12.8

दिल्ली परिवहन निगम की गतिविधियां (2017—18 से 2021—22)

क्र सं	विवरण	प्रकार	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1.	बेड़े में कुल बसें (अंत में)	गैर एसी	2,506	2,506	2,505	2,504	2,504
		एसी	1,275	1,275	1,257	1,256	1,256
		स्टैंडर्ड	170	68	-		-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	2
		कुल	3,951	3849	3,762	3,760	3,762
2.	बसें प्रचालन में (प्रतिदिन औसत)	गैर एसी	2,232	2,197	2,149	1,963	2,113
		एसी	1,078	1,071	1,073	931	1,093
		स्टैंडर्ड	92	27	-	-	-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	3,402	3,295	3,222	2,894	3,206
3.	यात्री (करोड़ में)	गैर एसी	84.86	84.96	85.66	31.41	39.51
		एसी	21.77	24.35	36.16	13.27	17.51
		स्टैंडर्ड	2.35	0.74	-	-	-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	108.98	110.15	121.82	44.68	57.02
4.	प्रतिदिन औसत यात्री (लाख में)	गैर एसी	23.25	23.28	23.4	8.6	10.82
		एसी	5.97	6.67	9.88	3.64	4.8
		स्टैंडर्ड	0.64	0.2	-	-	-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	29.86	30.15	33.29	12.24	15.62
5.	परिचालित किलोमीटर (करोड़ में)	गैर एसी	15.78	15.68	14.96	12.3	15.19
		एसी	7.41	7.57	7.76	6.69	8.36
		स्टैंडर्ड	0.54	0.15	-	-	-

क्र सं	विवरण	प्रकार	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	23.73	23.4	22.72	18.99	23.55
6.	प्रतिदिन औसत किलोमीटर परिचालित (लाख में)	गैर एसी	4.32	4.3	4.09	3.37	4.16
		एसी	2.03	2.07	2.12	1.83	2.29
		स्टैंडर्ड	0.15	0.04	-		-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	6.5	6.41	6.21	5.2	6.45
7.	प्रति 10000 बसों पर ब्रेकडाउन	गैर एसी	713	710	806	472	766
		एसी	923	898	1029	627	885
		स्टैंडर्ड	730	735	-		-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	780	781	880	522	807
8.	दुर्घटनाएं	गैर एसी	75	79	83	55	65
		एसी	43	45	35	12	30
		स्टैंडर्ड	3	1	-		-
		विद्युत चालित एसी	-	-	-	-	-
		कुल	121	125	118	67	95
9.	अंतर्राज्यीय रूट बस सेवा	-	8	8	7	7	7
10.	डीटीसी वर्कशॉप	-	2	2	2	1	1
11.	डीटीसी डिपो	-	39	39	35	35	36

सरकार डीटीसी और क्लस्टर बसों के किराए में विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, स्वतंत्रता सेनानियों इत्यादि को विभिन्न रियायतें उपलब्ध करा रही है। रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन निगम को रियायती राशि का पुनर्भुगतान कर देती है। सरकार ने वर्ष 2021–22 के दौरान 168.94 करोड़ रुपये (रियायती पासों के लिए 38.46 करोड़ और महिला यात्रियों के लिए 130.48 करोड़) का भुगतान किया है।

क्लस्टर बसों का कार्य निष्पादन

क्लस्टर बसें : रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार ने ब्लू लाइन प्राइवेट स्टेज कैरिएज सिस्टम को प्रतिस्थापित करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के आधार पर प्राइवेट स्टेज कैरिएज सर्विस के निगमीकरण के लिए 2011–12 में इस योजना की शुरुआत की थी। वर्तमान में रा.रा.क्षे दिल्ली में 16 क्लस्टर के तहत 3319 क्लस्टर बसें परिचालन में हैं। स्वचालित किराया संग्रहण प्रणाली (एएफसीएस) पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन क्लस्टर बसों में पूरी तरह क्रियान्वित की गई हैं। परिवहन विभाग ने 05.08.2021 से 497 क्लस्टर बसों में संपर्क रहित मोबाइल टिकटिंग की परीक्षण आधार पर शुरूआत की है। क्लस्टर बसों में सफर करने वालों की दैनिक औसत संख्या 2021–22 के दौरान लगभग 9.87 लाख रही। 2021–22 के दौरान क्लस्टर बसों में सफर करने वाली महिला यात्रियों की निशुल्क यात्रा के लिए 126.90 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की गई। क्लस्टर बसों का कार्य निष्पादन डेटा नीचे दिया जा रहा है:

विवरण 12.9
क्लस्टर बसों का कार्य निष्पादन

क्र स	वर्ष	बेड़ा (संख्या)	बेड़ा उपयोग (प्रतिशत में)	वहन उपयोग (किमी प्रति बस प्रतिदिन)	लोड फैक्टर (प्रतिशत में)	प्रतिदिन प्रति बस यात्रियों की संख्या	प्रतिदिन औसत यात्रियों की संख्या (लाख में)
1.	2017-18	1744	97.16	205.15	81	753	11.65
2.	2018-19	1,803	98.66	211.02	88	760	12.24
3.	2019-20	2,910	96.48	202.10	89	841	17.71
4.	2020-21	3,191	98.88	214.05	67	308	8.51
5.	2021-22	3310	99.01	217.10	68	351	9.87

**लोड फैक्टर की गणना केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी) के फार्मूले पर की जाती है।*
स्रोत : डीआईएमटीएस लिमिटेड

4.3 **डीटीसी और क्लस्टर बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाना :**

सभी क्लस्टर बसों में हार्डवेयर लगाने (3 आईपी सीसीटीवी कैमरा, 7 इंच की स्क्रीन, 10 पैनिक बटन, हूटर और स्ट्रोव, ड्राइवर और कंडक्टर सीट से संवाद के आदान–प्रदान की सुविधा, जीपीएस के साथ एमएनवीआर) का काम पूरा हो गया है। हालांकि डीटीसी की 43 बसों में यह काम अभी बाकी है।

4.4 **डीटीसी की रात्रि बस सेवा में बढोतरी (रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक)**

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर डीटीसी अपने बस चालक और अन्य कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। 27 रूटों पर बसों की संख्या बढ़ा कर 88 कर दी गई है। 30 लेडीज स्पेशल बसें 30 रूटों पर व्यस्त समय में चलाई जा रही हैं। सभी बसों में 25 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं (जैसे लो–फ्लोर बसों में 10 सीट और स्टैंडर्ड फ्लोर बसों में 12 सीट) वर्ष 2019–20 से 2021–22 का तुलनात्मक ब्यौरा विवरण 12.10 में दिया गया है।

विवरण 12.10
डीटीसी बसों की कार्य निष्पादन

विवरण	2019-20	2020-21	2021-22
रात्रि सेवा बसों की संख्या	88	88	88
रात्रि सेवा रूटों की संख्या	27	27	27
सिविल डिफेंस मार्शल और होमगार्ड की संख्या	7,835	9,286	8,968*
लेडीज स्पेशल बस रूट की संख्या	30	30	30
महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का प्रतिशत	25	25	25

** 7,938 मार्शल और होमगार्ड की तैनाती डीटीसी बसों में और 1030 क्लस्टर बसों में की गई है।*

4.5 **बसों में मार्शलों की तैनाती :**

रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार ने 29.10.2019 से सभी डीटीसी और क्लस्टर बसों में दोनों पारियों में मार्शल तैनात करने का फैसला किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 30.09.2022 तक डीटीसी बसों में 7,938 मार्शल और होमगार्ड और क्लस्टर बसों में 3,296 मार्शलों की तैनाती की गई।

5. चालू योजनाएं और नई पहल :

5.1 **विद्युत वाहन नीति** : दिल्ली विद्युत वाहन नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में बिजली चालत वाहनों के उपयोग में तेजी लाना और इनके लिए आवश्यक चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। इसके लिए बिजली वाहनों की खरीद में प्रोत्साहन, पुराने वाहन हटाने पर प्रोत्साहन, ऋणों पर ब्याज में छूट, रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क से छूट और चार्जिंग तथा बैटरी बदलाव स्टेशन स्थापित करने में तेजी लाई जा रही है। विद्युत वाहन खरीद और पुराने वाहनों की बिक्री पर प्रोत्साहन राशि के संवितरण के लिए सॉफ्टवेयर शुरू किया गया है।

इस नीति का उद्देश्य ड्राइविंग, बिक्री, वित्त पोषण, विद्युत वाहनों की सर्विसिंग और चार्जिंग क्षेत्र में रोजगार सृजन में सहयोग करना भी है। इस योजना के शुरू होने के साथ ही विभाग 22 अक्तूबर 2020 से प्रोत्साहन राशि संवितरित कर रहा है। योजना के तहत 52,683 वाहनों को सब्सिडी प्रदान की गई है।

5.2 **ई–रिक्शा के लिए सब्सिडी** : 07.08.2020 से पंजीकृत ई–रिक्शा के लिए पूरी तरह ऑनलाइन सब्सिडी प्रदान की जा रही है। दिल्ली विद्युत वाहन नीति के तहत लाभार्थियों को यह सब्सिडी संवितरित की जा रही है।

5.3 **ई–रिक्शा से अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करना** : दिल्ली में अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दिसंबर 2022 तक 1,14,848 ई–रिक्शा पंजीकृत किए जा चुके हैं।

5.4 **विद्युत वाहनों की बिक्री** : 7 अगस्त 2020 से दिसंबर 2022 तक 93,160 विद्युत चालित वाहनों की बिक्री हो चुकी है।

5.5 **ई–ऑटो** : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को कम से कम करने के उद्देश्य से ई–वाहनों के परिचालन को बढ़ावा देने के लिए 9,261 ई–ऑटो को एलओआई आवंटित किया गया है। इनमें से 1,053 ई–ऑटो पंजीकृत हैं।

5.6 **व्हाट्सएप चौटबोट**– विभाग द्वारा सूचना प्रसार और दिल्ली में ई–वाहनों के उपयोग को बढावा देने के लिए एक ब्हाट्सअप चैटबॉट शुरू किया गया है। इस पर संपर्क के लिए नागरिक 9810336008 पर 'हाय' या 'हैलो' भेज सकते हैं।

5.7 **ई–साइकिल**– विद्युत वाहन नीति को और अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने 05–04–2022 की अपनी अधिसूचना के जरिय ई–साइकिल (यात्री और कार्गो) को भी इसमें शामिल

किया है।यात्री ई–साइकिल पर एमआरपी पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी, अधिकतम 5,500 रुपए प्रति ई–साइकिल दी जाएगी। इसके अलावा पहले एक हजार ई–साइकिल के लिए 2,000 रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। ई–कार्गो साइकिल के लिए एमआरपी पर 33 प्रतिशत की सब्सिडी, अधिकतम 15 हजार रुपए प्रति ई– कार्गो साइकिल पर मिलेगी। अतिरिक्त 3,000 रुपए स्क्रैप इंसेंटिव के तौर पर मिलेंगे।

2021–22 तक पंजीकृत ई–वाहन	संख्या
ई–वाहनों की कुल संख्या	34,493
ई–दोपहिया वाहन	14,257
ई–रिक्साध्ई–ऑटोध् ई कार्ट	15,952
ई–कार	2,273
अन्य ई–वाहन	2,011

5.8 **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में विद्युत वाहन चार्जिंग और स्वैपिंग बुनियदी ढांचा अपनाने को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं–**

- परिवहन विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने व्यापक विद्युत वाहन चार्जिंग और स्वैपिंग बुनियादी ढांचा कार्रवाई योजना तैयार की है। इसका उद्देश्य 3 वर्ष के अंदर दिल्ली में 18,000 सार्वजनिक विद्युत वाहन चार्जिंग प्वाइंट्स की तैयारी करना है।
- उपभोक्ताओं को सार्वजनिक विद्युत वाहन चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का पता लगाने के लिए 'वन डेल्ही' मोबाइल एप सुविधा प्रदान की जा रही है।
- परिवहन विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने नीति के अनुरूप एक सार्वजनिक डेटाबेस तैयार किया है।

5.9 **चार्जिंग सुविधाओं की स्थिति**

- दिल्ली में 31.12.2022 तक कुल 3,734 चार्जिंग प्वाइंट्स (2,610 स्थानों पर) और 234 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन कार्यरत थे।
- दिल्ली के 498 स्थानों पर कुल 1,249 चार्जिंग प्लाइंट एक ही स्थान पर उपलब्ध सुविधा के तहत लगाए गए (252 निजी और 997 अर्द्ध सरकारी) हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, डिस्कॉम द्वारा प्रबंधित सिंग्ल विंडो तंत्र के तहत स्लो चार्जर (लेवाक और टाइप 1 एसी 001 चार्जर) के लिए प्रति चार्जिंग प्वाइंट 6 हजार रूपए की सब्सिडी उपलब्ध करा रही है।
- 100 रियायती भूमि पैकेज एनर्जी ऑपरेटर या चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर को कुल 896 ई–वी चार्जिंग प्वाइंट (426 चार्जर) और 103 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन लगाने के लिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

5.10 ईवी चार्जिंग सारांश

चार्जिंग प्वाइंट प्रकार	संख्या
तीव्र चार्जिंग प्वाइंट (सरकारी)	232
धीमा चार्जिंग प्वाइंट (सरकारी)	2,085
धीमा चार्जिंग प्वाइंट (निजी और अर्द्ध सरकारी) सिंग्ल विंडो व्यवस्था के तहत	1,249
कुल चार्जिंग प्वाइंट	**3,566**
कुल बैटरी स्वैपिंग स्टेशन	**234**

5.11 **विद्युत बसें :**

- भारी उद्योग मंत्रालय ने भारत में विद्युत वाहन तेजी से अपनाए जाने और विनिर्माण की एक स्कीम – (फेम इंडिया) वर्ष 2015 में तैयार की थी ताकि विद्युत और हाईब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया जा सके और इनका सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। रा.रा.क्षे दिल्ली सरकार ने दिल्ली में पूरी तरह से विद्युत चालित बसें चलाने का फैसला किया है, जिससे वाहनों से होने वाला प्रदूषण काफी कम किया जा सकेगा। भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने फेम इंडिया स्कीम के दूसरे चरण के तहत डीटीसी को संचालनगत लागत मॉडल पर 300 विद्युत चालित वाहन चलाने के लिए वित्तीय सहयोग देने के वास्ते सक्षम प्राधिकरण की अनुमति उपलब्ध कराई है।

- डीटीसी और क्लस्टर योजना में कुल 4005 ई–बसें शामिल करने का फैसला किया गया था। यह भी प्रस्ताव किया गया था कि इसके बाद से नई या स्थानापन्न की जाने वाली बसें इलेक्ट्रिक बसें होंगी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 41 डीटीसी डिपो (तीन डिपो पहले ही इलेक्ट्रिफाइड) और 8 क्लस्टर डिपो (2 पहले से ही इलेक्ट्रिफाइड) को इलेक्ट्रिफाइ किए जाने का प्रस्ताव है।

6. महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा

रा.रा. क्षे दिल्ली सरकार द्वारा डीटीसी/क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा 29 अक्तूबर 2019 से दी जा रही है। एसी और नॉन एसी बसों में 10 रुपये मूल्य का एकल यात्रा पास मौजूदा समय में गुलाबी रंग के टिकट के रूप में जारी किया जा रहा है। डीटीसी इन पासों को प्रिंट करवा रही है और क्लस्टर बसों के लिए डीआईएमटीएस को दे रही है। डीटीसी और डीआईएमटीएस दोनों इन टिकटों का समुचित हिसाब रख रहे हैं। वर्ष 2021–22 के दौरान 13.01 करोड़ महिला यात्रियों ने डीटीसी और क्लस्टर बसों में निशुल्क यात्रा की, जिसके लिए डीटीसी को 130.48 करोड़ रुपये और क्लस्टर बसों को 126.90 करोड़ रुपये सब्सिडी के तौर पर दिए गए।

7. परिवहन सेवाओं का सुधार पैकेज

परिवहन विभाग ने सभी सार्वजनिक सेवाएं फेसलेस यानि संपर्क रहित उपलब्ध कराने की बड़ी पहल की है। आवेदकों को केवल ड्राइविंग टेस्ट या वाहन उपयुक्तता प्रमाणपत्र लेने के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होना होगा। इससे विभाग का लोगों के साथ कम से कम व्यक्तिगत संपर्क होगा।

7.1 **महिला चालकों को शामिल करना** : परिवहन विभाग भारी मोटर वाहनों को डीटीसी और क्लस्टर बस बेड़े में शामिल करने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। अनेक महिला चालकों को डीटीसी में शामिल किया गया है। इसी प्रकार ब्लू स्मार्ट, ओला, उबर इत्यादा कैब समूहों में ड्राइवर के रूप में शामिल होने के लिए महिलाओं को निशुल्क एलएमवी प्रशिक्षण देने के लिए स्वीकृति दी जा रही है।

7.2 **फेसलेस सेवाएं** : मौजूदा समय में 47 सेवाएं (12 आरसी सेवा, 17 परमिट और उपयुक्तता सेवा, पहले चरण में दो सेवाएं (क) वाहनों के बदलने के लिए एलओआई जारी करना (ख) पीएसवी रिप्लेसमेंट के लिए नो ड्यूज प्रमाणपत्र, दूसरे फेज में और 16 डीएल सेवाएं पहले चरण में प्रक्रियाधीन है) पूरी तरह फेसलेस डिलिवरी मोड में कर दी गई हैं और दिसंबर 2022 तक 26 लाख से अधिक आवेदकों को इस कार्यक्रम से लाभ हुआ है। शेष दो सेवाएं भी जल्द ही इसी तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे जनता के साथ विभाग का व्यक्तिगत संपर्क कम हुआ है।

ई–शासन पहल के रूप में परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, परमिट जारी करने, रोड टैक्स संग्रह, वाहनों के लिए फैंसी/पसंदीदा पंजीकरण संख्या आवंटित करने, उपयुक्तता प्रमाणपत्र जारी करने, प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रमाणपत्र जारी करने का काम फेसलेस बनाया गया है।

7.3 अब लर्निंग लाइसेंस टेस्ट और टेस्ट पास करने के बाद **ई–लर्नर लाइसेंस** जारी करने का काम ऑनलाइन किया जाता है। निजी वाहनों के डीलर (दोपहिया और चार पहिया) को पंजीकरण प्राधिकरणों के रूप में अधिकृत किया गया है, जिससे वाहन मालिक द्वारा नए वाहनों की डिलिवरी लेते समय ही रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट डीलर से तुरंत प्राप्त हो जाता है। इसके अलावा सभी पंजीकरण प्रमाणपत्र और ड्राइविंग लाइसेंस एम परिवहन मोबाइल एप और डिजिलॉकर में इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराये गए हैं।

7.4 **स्वचालित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक** : ऐसे ट्रैकों की स्थापना ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों के ड्राइविंग कौशल के जांच के लिए की गई है। ये ट्रैक सीसीटीवी कैमरे, सेंसर इत्यादि से पूरी तरह लैस होते हैं। इस प्रकार के ड्राइविंग कौशल परीक्षणों में मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता। दिल्ली में 12 ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक स्वचालित बना दिए गए हैं। लाडो सराय केंद्र स्थित एकमात्र 13वें ट्रैक को ऑटोमैटिक बनाने का काम अंतिम चरण में है।

अध्याय एक नजर में

➢	एकीकृत परिवहन रणनीति अत्यंत आवश्यक है, जिससे सतत और सुचारू परिवहन व्यवस्था के लिए परिवहन के विभिन्न माध्यमों का कुशल एकीकरण हो सके।
➢	दिसंबर 2022 तक 23 क्लस्टर बस डिपो और 40 डीटीसी बस डिपो हैं जिनमें एक डीटीसी डिपो–सावदाघेवरा निर्माणाधीन है और एक डीटीसी डिपो–सेंट्रल वर्कशॉप–2 ओखला पुनरूद्धारध्उन्नयन के तहत है।
➢	मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) एक महत्वकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य सड़क परिवहन प्रणाली के साथ समुचित रूप से एकीकृत प्रदूषण रहित और सक्षम रेल आधारित परिवहन प्रणाली उपलब्ध कराना है।
➢	रीजनल रेल भारत में एक नई अवधारणा है, लेकिन बड़े महानगरों में यह काफी सामान्य है। इसका उद्देश्य उपनगरीय इलाकों में रहने वालों के लिए सिटी सेंटर तक सुरक्षित और त्वरित पहुंच सुनिश्चित कर मुख्य शहर की भीड़–भाड़ में कमी लाना है।
➢	दिसंबर 2022 तक डीटीसी के पास 40 डिपो का बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। डीटीसी के बेड़े में 31 दिसंबर 2022 तक 4,010 बसें हैं जिनमें 1,256 एसी लो फ्लोर और 2,504 नॉन एसी लो फ्लोर बसें तथा 250 एसी लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें हैं।
➢	रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने सरकारी निजी भागीदारी मॉडल के तहत ब्लू लाइन निजी स्टेट कैरिएज प्रणाली के स्थान पर निजी स्टेट कैरिएज सेवा के निगमीकरण की योजना शुरू की है।
➢	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 29.10.2019 से सभी डीटीसी और क्लस्टर बसों में दोनों पारियों में मार्शलों की तैनाती का फैसला किया है। 30.09.2022 तक डीटीसी बसों में 7,938 मार्शल और होमगार्ड्स तथा क्लस्टर बसों में 3,296 मार्शलों की तैनाती थी।
➢	विद्युत वाहन नीति का उद्देश्य दिल्ली में तेजी से बिजली चालित वाहनों का अपनाने पर बल देना है और खरीद प्रोत्साहन, स्क्रैपिंग प्रोत्साहन, ऋण पर ब्याज छूट, रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क छूट तथा चार्जिंग और स्वैपिंग बैटरी स्टेशन नेटवर्क स्थापित कर विद्युत वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना है।